Anifragyle

by Nasim taleb · Language: HI

Summary by booksummaryai.com — https://booksummaryai.com/country/hi/anifragyle

Overview

एंटीफ्रैगाइल" नसीम निकोलस तालेब की एक महत्वपूर्ण पुस्तक है जो एक ऐसे विचार का परिचय देती है जो नाजुकता (fragility) और मजबूती (robustness) से आगे निकल जाता है। तालेब का तर्क है कि कुछ चीजें न केवल झटकों से बचती हैं, बल्कि वे अस्थिरता, यादृच्छिकता, अव्यवस्था और तनाव से लाभ उठाती हैं और मजबूत होती हैं। वह इस गुण को "एंटीफ्रैगाइल" कहते हैं। यह अवधारणा हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि हम कैसे अपनी प्रणालियों, जीवन और समाजों का निर्माण करते हैं ताकि वे अप्रत्याशित घटनाओं और अनिश्चितता से कमजोर होने के बजाय उनसे लाभ उठा सकें।

यह पुस्तक भविष्यवाणी की सीमाओं पर जोर देती है और बताती है कि कैसे जटिल प्रणालियों में भविष्य की घटनाओं का अनुमान लगाना लगभग असंभव है। इसके बजाय, तालेब सुझाव देते हैं कि हमें ऐसी संरचनाएँ बनानी चाहिए जो छोटी-छोटी विफलताओं और त्रुटियों को स्वीकार करें, क्योंकि ये बड़ी आपदाओं को रोकने और समग्र प्रणाली को अधिक लचीला बनाने में मदद करती हैं। वह "बारबेल रणनीति" जैसे व्यावहारिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं, जहाँ एक तरफ अत्यधिक सुरक्षित और दूसरी तरफ अत्यधिक जोखिम भरा निवेश किया जाता है, जिससे बीच के मध्यम जोखिमों से बचा जा सके। "एंटीफ्रैगाइल" हमें अनिश्चितता को एक दुश्मन के बजाय एक अवसर के रूप में देखने के लिए प्रेरित करती है।

यह पुस्तक व्यक्तिगत निर्णय लेने से लेकर आर्थिक नीतियों और सामाजिक प्रणालियों तक, जीवन के कई पहलुओं पर लागू होती है। तालेब का मानना है कि प्रकृति और जैविक प्रणालियाँ स्वाभाविक रूप से एंटीफ्रैगाइल होती हैं, और हमें उनसे सीखना चाहिए। यह हमें एक ऐसी दुनिया में जीवित रहने और फलने-फूलने के लिए एक नया ढाँचा प्रदान करती है जो तेजी से अप्रत्याशित होती जा रही है, और हमें सिखाती है कि कैसे अज्ञात से डरने के बजाय उससे लाभ उठाया जाए।

Key Takeaways

- अव्यवस्था और अनिश्चितता से लाभ उठाने वाली प्रणालियाँ बनाएँ, क्योंकि वे मजबूत से भी बेहतर होती हैं।
- छोटी-छोटी त्रुटियों और विफलताओं को स्वीकार करें, क्योंकि वे बड़ी आपदाओं को रोकने और सीखने में मदद करती हैं।
- "फ्रैगाइल" (नाजुक) चीजों से बचें जो झटकों से टूट जाती हैं, और "एंटीफ्रैगाइल" (अति-मजबूत) चीजों की तलाश करें जो झटकों से मजबूत होती हैं।
- जोखिमों को कम करने के लिए "बारबेल रणनीति" का उपयोग करें: एक तरफ बहुत सुरक्षित रहें, दूसरी तरफ बहुत जोखिम लें, बीच में कुछ भी नहीं।
- भविष्यवाणी करने की कोशिश करने के बजाय, ऐसे विकल्प बनाएँ जो आपको अप्रत्याशित घटनाओं से लाभ उठाने की अनुमति दें।
- प्राकृतिक प्रणालियों का अनुकरण करें, क्योंकि वे अक्सर अंतर्निहित रूप से अति-मजबूत होती हैं।
- सिद्धांतों के बजाय अनुभव और अभ्यास पर अधिक भरोसा करें, खासकर जटिल प्रणालियों में।

Chapter Summaries

पुस्तक I: एंटीफ्रैजाइल: एक परिचय

यह खंड एंटीफ्रैजाइल की अवधारणा का परिचय देता है, जो उन चीजों को संदर्भित करता है जो झटके, अस्थिरता और अव्यवस्था से लाभ उठाती हैं। लेखक नाजुकता (जो नुकसान उठाती है), मजबूती (जो झटकों का सामना करती है), और एंटीफ्रैजाइल (जो झटकों से बेहतर होती है) के बीच अंतर स्पष्ट करता है। इसमें "ट्रायड" की अवधारणा पेश की गई है। यह बताता है कि कैसे कुछ प्रणालियाँ, जैसे कि प्रकृति और विकास, अनिश्चितता से लाभ उठाती हैं। वैकल्पिकता (optionality) और उत्तलता (convexity) के विचार भी प्रस्तुत किए गए हैं, जो एंटीफ्रैजाइल होने के लिए महत्वपूर्ण हैं। लेखक अनिश्चितता को गले लगाने और उससे लाभ उठाने के महत्व पर जोर देता है, यह तर्क देते हुए कि कुछ चीजें तनाव और अराजकता के संपर्क में आने से मजबूत होती हैं।

पुस्तक II: आधुनिक दुनिया, और एंटीफ्रैजाइल का खंडन

यह खंड बताता है कि कैसे आधुनिक समाज और संस्थाएँ, जैसे सरकारें और बड़ी कंपनियाँ, अस्थिरता को दबाने की कोशिश करती हैं, जिससे वे नाजुक हो जाती हैं। लेखक "सोवियत-हार्वर्ड भ्रम" की आलोचना करता है, जहाँ शीर्ष-डाउन योजना और अत्यधिक हस्तक्षेप अप्रत्याशित परिणाम पैदा करते हैं। "इयाट्रोजेनिक्स" (चिकित्सकों द्वारा किया गया नुकसान) की अवधारणा पर चर्चा की गई है, यह दर्शाते हुए कि कैसे हस्तक्षेप अक्सर इरादे से अधिक नुकसान पहुंचाते हैं। यह तर्क दिया जाता है कि विशेषज्ञ और नौकरशाह अक्सर जटिल प्रणालियों को सरल बनाने की कोशिश करते हैं, जिससे वे झटकों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते हैं। यह खंड आधुनिक दुनिया में एंटीफ्रैजाइल सिद्धांतों की उपेक्षा के परिणामों पर प्रकाश डालता है, जहाँ अस्थिरता को खत्म करने का प्रयास अक्सर छिपी हुई नाजुकता पैदा करता है।

पुस्तक III: दुनिया का एक गैर-भविष्यवाणी दृष्टिकोण

यह खंड भविष्यवाणी की सीमाओं पर केंद्रित है, विशेष रूप से जटिल और ब्लैक स्वान घटनाओं से भरी दुनिया में। लेखक "लुडिक भ्रांति" की आलोचना करता है, जहाँ हम वास्तविक दुनिया की अनिश्चितता को खेल के नियमों तक सीमित कर देते हैं। वह "कथा भ्रांति" पर भी चर्चा करता है, जहाँ हम यादृच्छिक घटनाओं को समझाने के लिए कहानियाँ गढ़ते हैं, जिससे हमें नियंत्रण का झूठा एहसास होता है। यह खंड तर्क देता है कि हमें भविष्य की भविष्यवाणी करने की कोशिश करने के बजाय, हमें ऐसी प्रणालियाँ बनानी चाहिए जो अप्रत्याशित से लाभ उठा सकें। "स्किन इन द गेम" का महत्व, यानी जोखिम लेने वाले का व्यक्तिगत दांव होना, यहाँ पर जोर दिया गया है, क्योंकि यह व्यावहारिक ज्ञान और जवाबदेही को बढ़ावा देता है और सैद्धांतिक मॉडलों की सीमाओं को उजागर करता है।

पुस्तक IV: वैकल्पिकता, प्रौद्योगिकी और एंटीफ्रैजाइल की बुद्धिमत्ता

यह खंड वैकल्पिकता (optionality) को एंटीफ्रैजाइल होने के एक प्रमुख तंत्र के रूप में खोजता है। लेखक बताता है कि कैसे परीक्षण और त्रुटि (trial and error), छेड़छाड़ (tinkering), और विकेन्द्रीकृत प्रणालियाँ (जैसे विकास और मुक्त बाजार) वैकल्पिकताओं से लाभ उठाती हैं। वह "उत्तलता पूर्वाग्रह" (convexity bias) की अवधारणा का परिचय देता है, यह दर्शाता है कि कैसे छोटे, बार-बार होने वाले लाभ बड़े, दुर्लभ नुकसानों की तुलना में अधिक मूल्यवान हो सकते हैं। यह खंड तर्क देता है कि प्रौद्योगिकी और नवाचार अक्सर नीचे से ऊपर (bottom-up) प्रक्रियाएँ होती हैं जो वैकल्पिकताओं का लाभ उठाती हैं, न कि शीर्ष-डाउन योजनाएँ। यह बताता है कि कैसे अनिश्चितता की उपस्थिति में, अधिक विकल्प होने से लाभ होता है, जिससे सिस्टम को अप्रत्याशित अवसरों का फायदा उठाने की अनुमति मिलती है।

पुस्तक V: एंटीफ्रैजाइल की गैर-वैकल्पिकता

यह खंड एंटीफ्रैजाइल को व्यक्तिगत जीवन, व्यवसाय और समाज में कैसे बनाया जाए, इस पर गहराई से विचार करता है। लेखक "वाया नेगेटिवा" (via negativa) के महत्व पर जोर देता है, जिसका अर्थ है खराब चीजों को हटाकर एंटीफ्रैजाइल प्राप्त करना, बजाय अच्छी चीजों को जोड़ने के। "बारबेल रणनीति" (barbell strategy) की चर्चा की गई है, जहाँ एक व्यक्ति या प्रणाली

एक ही समय में अत्यधिक मजबूत और अत्यधिक वैकल्पिक होती है। यह खंड बताता है कि कैसे कुछ चीजें, जैसे कि प्रकृति और परंपराएँ, स्वाभाविक रूप से एंटीफ्रैजाइल होती हैं क्योंकि वे समय और तनाव के माध्यम से विकसित हुई हैं। यह हमें उन चीजों को पहचानने और उनका सम्मान करने के लिए प्रोत्साहित करता है जो समय के साथ जीवित रहती हैं, और उन चीजों से बचने के लिए जो नाजुकता पैदा करती हैं।

पुस्तक VI: वाया नेगेटिवा

यह खंड "वाया नेगेटिवा" के सिद्धांत को और विस्तृत करता है, जो एंटीफ्रैजाइल प्राप्त करने के लिए घटाव और सरलीकरण के महत्व पर केंद्रित है। लेखक तर्क देता है कि अक्सर, चीजों को बेहतर बनाने का सबसे अच्छा तरीका अनावश्यक हस्तक्षेपों, जटिलताओं और हानिकारक तत्वों को हटाना है, बजाय इसके कि कुछ नया जोड़ा जाए। यह खंड चिकित्सा, वित्त और व्यक्तिगत जीवन में "कम करना" (less is more) के विचार को लागू करता है। यह बताता है कि कैसे कई आधुनिक समस्याएँ अत्यधिक हस्तक्षेप और प्राकृतिक प्रणालियों को बाधित करने से उत्पन्न होती हैं। "वाया नेगेटिवा" हमें उन चीजों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित करता है जो हमें नहीं करनी चाहिए, बजाय इसके कि हमें क्या करना चाहिए, जिससे अनावश्यक जोखिमों और नाजुकताओं को कम किया जा सके।

पुस्तक VII: नैतिक आयाम

यह अंतिम खंड एंटीफ्रैजाइल के नैतिक निहितार्थों की पड़ताल करता है, विशेष रूप से "स्किन इन द गेम" के सिद्धांत पर जोर देता है। लेखक तर्क देता है कि जो लोग लाभ से लाभान्वित होते हैं, उन्हें नुकसान का भी सामना करना चाहिए। वह उन लोगों की आलोचना करता है जो दूसरों के पैसे से जोखिम उठाते हैं (जैसे बैंकर, नीति निर्माता) बिना व्यक्तिगत परिणामों के। "अल्पसंख्यक नियम" (minority rule) की अवधारणा पर चर्चा की गई है, यह दर्शाते हुए कि कैसे एक छोटा, असहिष्णु अल्पसंख्यक अक्सर बड़े बहुमत पर अपनी इच्छा थोप सकता है। यह खंड जवाबदेही, न्याय और उन प्रणालियों के निर्माण के महत्व पर जोर देता है जहाँ जोखिम और इनाम संरेखित होते हैं, जिससे समाज में अधिक एंटीफ्रैजाइल और न्यायसंगत परिणाम प्राप्त होते हैं, और नैतिक रूप से अस्थिर प्रणालियों की आलोचना की जाती है।

Questions & Answers

पुस्तक "एंटीफ्रैजाइल" का मुख्य विचार क्या है?

पुस्तक का मुख्य विचार यह है कि कुछ चीजें झटकों, अस्थिरता और अव्यवस्था से न केवल बचती हैं, बल्कि उनसे लाभ भी उठाती हैं और मजबूत होती हैं। लेखक इस गुण को 'एंटीफ्रैजिलिटी' कहते हैं, जो लचीलेपन या मजबूती से परे है। यह हमें अप्रत्याशित घटनाओं से निपटने और उनसे लाभ उठाने के तरीके सिखाता है, बजाय इसके कि हम उनसे डरें या उन्हें रोकने की कोशिश करें।

पुस्तक "एंटीफ्रैजाइल" का शीर्षक क्या दर्शाता है?

शीर्षक 'एंटीफ्रैजाइल' एक नए शब्द का प्रतिनिधित्व करता है जिसे लेखक ने गढ़ा है। यह उन चीजों का वर्णन करता है जो अस्थिरता, झटके, और तनाव से लाभ उठाती हैं। यह नाजुक (fragile) के विपरीत है, जो झटकों से टूट जाता है, और मजबूत (robust) से भी अलग है, जो झटकों का सामना करता है लेकिन उनसे बेहतर नहीं होता। एंटीफ्रैजाइल सिस्टम अराजकता से सीखते और विकसित होते हैं।

लेखक नाजुक (fragile), मजबूत (robust) और एंटीफ्रैजाइल के बीच अंतर कैसे समझाते हैं?

लेखक इन तीनों को झटकों के प्रति उनकी प्रतिक्रिया के आधार पर परिभाषित करते हैं। नाजुक चीजें झटकों से टूट जाती हैं या बिगड़ जाती हैं। मजबूत चीजें झटकों का सामना करती हैं और अपनी मूल स्थिति में बनी रहती हैं, लेकिन उनसे कोई लाभ नहीं उठातीं। एंटीफ्रैजाइल चीजें झटकों, अस्थिरता और तनाव से लाभ उठाती हैं, जिससे वे मजबूत और बेहतर बनती हैं। यह अंतर

जोखिम और अनिश्चितता को समझने के लिए महत्वपूर्ण है।

"वाया नेगेटिवा" की अवधारणा क्या है और यह एंटीफ्रैजिलिटी से कैसे संबंधित है?

वाया नेगेटिवा (Via Negativa) का अर्थ है किसी चीज को जोड़ने के बजाय उसे हटाकर सुधार करना। लेखक का तर्क है कि अक्सर हम चीजों को जोड़कर या जटिल बनाकर समस्याओं को हल करने की कोशिश करते हैं, जबकि उन्हें हटाना या सरल बनाना अधिक प्रभावी होता है। एंटीफ्रैजिलिटी में, यह अनावश्यक जटिलताओं, हस्तक्षेपों या जोखिमों को हटाने का मतलब है जो सिस्टम को नाजुक बनाते हैं, जिससे वह स्वाभाविक रूप से मजबूत हो सके।

"स्किन इन द गेम" का क्या अर्थ है और यह एंटीफ्रैजाइल सिस्टम के लिए क्यों महत्वपूर्ण है?

"स्किन इन द गेम" का अर्थ है कि निर्णय लेने वाले व्यक्ति को अपने निर्णयों के परिणामों का व्यक्तिगत रूप से सामना करना पड़ता है। यदि कोई व्यक्ति जोखिम लेता है, तो उसे उस जोखिम के संभावित नुकसान का भी अनुभव होना चाहिए। यह एंटीफ्रैजाइल सिस्टम के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह जवाबदेही सुनिश्चित करता है और उन लोगों को जोखिम लेने से रोकता है जो परिणामों से अप्रभावित रहते हैं, जिससे सिस्टम की समग्र नाजुकता कम होती है।

इट्रोजेनिक्स (iatrogenics) क्या है और लेखक इसके बारे में क्या चेतावनी देते हैं?

इट्रोजेनिक्स का अर्थ है किसी हस्तक्षेप या उपचार के कारण होने वाला नुकसान, जो अक्सर अच्छे इरादों से किया जाता है। लेखक चेतावनी देते हैं कि आधुनिक समाज में, विशेषकर चिकित्सा और नीति-निर्माण में, अनावश्यक हस्तक्षेपों से अक्सर मूल समस्या से अधिक नुकसान होता है। वे तर्क देते हैं कि हमें 'वाया नेगेटिवा' का उपयोग करके अनावश्यक हस्तक्षेपों से बचना चाहिए, क्योंकि कई प्रणालियाँ बिना किसी बाहरी मदद के खुद को ठीक करने में सक्षम होती हैं।

बार्बेल रणनीति (Barbell Strategy) क्या है और इसे कैसे लागू किया जा सकता है?

बार्बेल रणनीति में दो चरम सीमाओं पर ध्यान केंद्रित करना शामिल है, जबकि बीच के हिस्से से बचना है। उदाहरण के लिए, निवेश में, इसका मतलब है कि अपनी संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा बहुत सुरक्षित और कम जोखिम वाले साधनों में रखना और एक छोटा हिस्सा बहुत उच्च जोखिम वाले, लेकिन संभावित रूप से उच्च-लाभ वाले साधनों में निवेश करना। यह रणनीति अस्थिरता से लाभ उठाने और बड़े नुकसान से बचने में मदद करती है, जिससे सिस्टम एंटीफ्रैजाइल बनता है।

लेखक भविष्यवाणियों के बारे में क्या कहते हैं और एंटीफ्रैजिलिटी इससे कैसे निपटती है?

लेखक का तर्क है कि भविष्यवाणियाँ, विशेषकर जटिल प्रणालियों में, अविश्वसनीय और अक्सर हानिकारक होती हैं। हम भविष्य की अप्रत्याशित 'ब्लैक स्वान' घटनाओं की भविष्यवाणी नहीं कर सकते। एंटीफ्रैजिलिटी भविष्यवाणियों पर निर्भर रहने के बजाय, हमें ऐसी प्रणालियाँ बनाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित करती है जो अप्रत्याशित झटकों से लाभ उठा सकें। यह हमें भविष्य के बारे में जानने की कोशिश करने के बजाय, भविष्य के लिए तैयार रहने की शिक्षा देती है।

पाठक अपने जीवन में एंटीफ्रैजिलिटी के सिद्धांतों को कैसे लागू कर सकते हैं?

पाठक अपने जीवन में एंटीफ्रैजिलिटी को कई तरीकों से लागू कर सकते हैं। इसमें बार्बेल रणनीति का उपयोग करके जोखिमों का प्रबंधन करना (जैसे करियर में एक स्थिर आय स्रोत के साथ-साथ उच्च जोखिम वाले साइड प्रोजेक्ट), अनावश्यक जटिलताओं और हस्तक्षेपों से बचना (वाया नेगेटिवा), और गलतियों और असफलताओं को सीखने और मजबूत होने के अवसरों के रूप में देखना शामिल है। यह हमें अनिश्चितता को गले लगाने और उससे लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

एंटीफ्रैजाइल सिस्टम में यादृच्छिकता (randomness) की क्या भूमिका है?

एंटीफ्रैजाइल सिस्टम के लिए यादृच्छिकता महत्वपूर्ण है। नाजुक चीजें यादृच्छिकता से टूट जाती हैं, जबकि एंटीफ्रैजाइल चीजें इससे लाभ उठाती हैं। छोटे, लगातार झटके और अनिश्चितता सिस्टम को अनुकूलित करने, सीखने और मजबूत होने के अवसर

प्रदान करते हैं। यह एक मांसपेशी की तरह है जो तनाव के संपर्क में आने पर बढ़ती है। यादृच्छिकता एक प्रकार का 'सूचना' या 'प्रशिक्षण' है जो एंटीफ्रैजाइल सिस्टम को विकसित करने में मदद करता है।

एंटीफ्रैजिलिटी लचीलेपन (resilience) से किस प्रकार भिन्न है?

लचीलापन (resilience) का अर्थ है झटकों का सामना करना और अपनी मूल स्थिति में वापस आना, जैसे एक रबर बैंड जो खींचने के बाद अपनी जगह पर लौट आता है। एंटीफ्रैजिलिटी इससे आगे निकल जाती है; यह झटकों से न केवल बचती है, बल्कि उनसे लाभ उठाती है और मजबूत होती है। एक लचीला सिस्टम झटके के बाद 'जैसा था' वैसा ही रहता है, जबकि एक एंटीफ्रैजाइल सिस्टम झटके के बाद 'बेहतर' हो जाता है। यह एक महत्वपूर्ण गुणात्मक अंतर है।

लेखक शीर्ष-डाउन (top-down) दृष्टिकोणों के साथ क्या समस्या देखते हैं?

लेखक शीर्ष-डाउन दृष्टिकोणों को समस्याग्रस्त मानते हैं क्योंकि वे अक्सर जटिल प्रणालियों की अंतर्निहित अनिश्चितता और अप्रत्याशितता को अनदेखा करते हैं। केंद्रीय योजनाकार या विशेषज्ञ, जो जमीनी स्तर के ज्ञान और 'स्किन इन द गेम' से रहित होते हैं, अक्सर ऐसे हस्तक्षेप करते हैं जो सिस्टम को नाजुक बनाते हैं। वे छोटी-छोटी समस्याओं को ठीक करने की कोशिश में बड़े, अप्रत्याशित जोखिम पैदा कर सकते हैं, जिससे इट्रोजेनिक्स का खतरा बढ़ जाता है।

लेखक एंटीफ्रैजिलिटी के संदर्भ में अनुमानी (heuristics) के महत्व पर कैसे जोर देते हैं?

लेखक अनुमानी (heuristics) या अंगूठे के नियमों के महत्व पर जोर देते हैं, खासकर जटिल और अनिश्चित वातावरण में। उनका तर्क है कि औपचारिक मॉडल और विस्तृत भविष्यवाणियों के बजाय, सरल, अनुभव-आधारित नियम अक्सर अधिक प्रभावी और एंटीफ्रैजाइल होते हैं। ये नियम हमें तेजी से निर्णय लेने और अप्रत्याशित परिस्थितियों के अनुकूल होने में मदद करते हैं, क्योंकि वे त्रुटि के लिए अधिक सहिष्णु होते हैं और वास्तविक दुनिया की जटिलताओं को बेहतर ढंग से संभालते हैं।

"टर्की प्रॉब्लम" (Turkey Problem) क्या है और यह एंटीफ्रैजिलिटी से कैसे संबंधित है?

"टर्की प्रॉब्लम" एक रूपक है जो यह दर्शाता है कि अतीत के अनुभव भविष्य के बारे में गलत धारणाएँ कैसे पैदा कर सकते हैं। एक टर्की को हर दिन खिलाया जाता है, जिससे वह यह निष्कर्ष निकालता है कि उसका मालिक उसे प्यार करता है, जब तक कि थैंक्सगिविंग का दिन नहीं आ जाता। यह दर्शाता है कि लंबे समय तक स्थिरता हमें एक बड़े, अप्रत्याशित झटके के प्रति नाजुक बना सकती है। एंटीफ्रैजिलिटी हमें ऐसे छिपे हुए जोखिमों को पहचानने और उनसे लाभ उठाने के लिए तैयार रहने में मदद करती है।

एंटीफ्रैजाइल सिस्टम गलतियों से कैसे सीखते हैं और मजबूत होते हैं?

एंटीफ्रैजाइल सिस्टम गलतियों और असफलताओं को सीखने और अनुकूलन के अवसर के रूप में देखते हैं। छोटे पैमाने पर की गई गलतियाँ सिस्टम को कमजोरियों की पहचान करने और उन्हें ठीक करने में मदद करती हैं, जिससे वह भविष्य के बड़े झटकों के लिए बेहतर ढंग से तैयार होता है। यह एक प्रकार का 'परीक्षण और त्रुटि' दृष्टिकोण है, जहाँ विफलताएँ मूल्यवान प्रतिक्रिया प्रदान करती हैं जो सिस्टम को मजबूत और अधिक लचीला बनाती हैं, अंततः उसे एंटीफ्रैजाइल बनाती हैं।